13 राजस्थान की हस्तकलाएँ

1. **जयपुर की 'ब्लू पॉटरी' को किसने अंतर्राष्ट्रीय पहचान दी–**
(1) कृपाल सिंह शेखावत (2) मोहनलाल कुम्हार
(3) रामगोपाल विजयवर्गीय (4) श्रीलाल जोशी (1)

व्याख्या– इनका जन्म 1922 ई. में मऊ गाँव (नीम का थाना) में हुआ था। ये ब्ल्यू पॉटरी के प्रसिद्ध कलाकार थे।

2. **वह स्थान, जो अपने मृदा शिल्प (टेराकोटा) के लिए प्रसिद्ध है–**
(1) जावर (सलूम्बर) (2) शाहपुरा
(3) मोलेला (राजसमंद) (4) टांकला (नागौर) (3)

व्याख्या– राजसमंद का मोलेला गाँव अपनी मृदा शिल्प के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ मिट्टी से लोक देवी-देवताओं की मूर्तियाँ व अन्य कलाकृतियाँ बनायी जाती हैं। यहाँ की कला में मिट्टी को हाथों से ही आकार दिया जाता है, इसमें सांचों का प्रयोग नहीं किया जाता है।

3. **'पिछवाई पेन्टिंग' का सम्बन्ध निम्न में से किस स्थान से है–**
(1) नाथद्वारा (2) ब्यावर
(3) किशनगढ़ (4) मोलेला (1)

व्याख्या– भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों में मूर्ति के पीछे की दीवार को चित्रकारी किये गये कपड़े से ढ़का जाता है, इस कपड़े पर श्रीकृष्ण की जीवन चरित्र से सम्बन्धित घटनाओं का चित्रण होता है। कपड़े पर चित्रित की जाने वाली यह कला 'पिछवाई' कहलाती है। अगस्त 2023 में पिछवाई कला को 'भौगोलिक चिन्हिकरण' (जीआई टैग) मिल चुका है।

4. **खण्डेला (सीकर) व भिनाय (केकड़ी) प्रसिद्ध हैं?**
(1) गोटा किनारी उद्योग के लिए
(2) गरासियों की फाग ओढ़नी
(3) रेजी निर्माण के लिए
(4) पेचवर्क व चटापटी कार्य के लिए (1)

5. **फड़ चित्रण में सिद्धहस्त है–**
(1) शाहपुरा का जोशी परिवार
(2) प्रतापगढ़ का सोनी परिवार
(3) जयपुर का शेखावत परिवार
(4) नाथद्वारा का जांगिड़ परिवार (1)

6. **मीनाकारी की कला को सर्वप्रथम जयपुर लाने वाला शासक था?**
(1) महाराजा मानसिंह प्रथम (2) मिर्जा राजा जयसिंह
(3) राजा भारमल (4) सवाई जयसिंह (1)

व्याख्या– आमेर के शासक मानसिंह प्रथम द्वारा इस कला के कलाकारों को लाहौर से आमेर लाया गया। जिनमें हरिसिंह, अमरसिंह, किशनसिंह, गोभासिंह व श्यामसिंह आदि प्रमुख कलाकार थे।

7. **ऊँट के शरीर के बालों को कतर कर शरीर पर कई तरह की आकृतियाँ उकेरने की कला है–**
(1) जट कतराई (2) चर्म कला
(3) कुट्टी कला (4) उस्तकला (1)

8. **निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है ?**
(1) हाथीदाँत पर खुदाई– जयपुर, उदयपुर
(2) छपाई के घाघरे– आकोला(चित्तौड़गढ़)
(3) आम पापड़– बाँसवाड़ा
(4) जस्ते की मूर्तियाँ– अलवर (4)

व्याख्या– जस्ते की मूर्तियाँ– जोधपुर

9. **राजस्थान की प्रसिद्ध मीनाकारी हस्तकला का उद्गम कहाँ से हुआ–**
(1) पर्शिया (ईरान) (2) दमिश्क
(3) पेरिस (4) गुजरात (1)

व्याख्या– मीनाकारी का उद्भव पर्शिया/ईरान से माना जाता है, इसे मुगलों द्वारा लाहौर लायी गयी, जहाँ पर सिक्ख कलाकारों द्वारा यह कार्य किया जाता था।

10. **तीर कमान निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान हैं?**
(1) गलियाकोट व सागवाड़ा (2) जगतपुरा व छींछ
(3) बोडीगामा व चन्दू जी का गढ़ा (4) कलिजंरा व आसपुर (3)

व्याख्या– चन्दुजी का गढ़ा (बाँसवाड़ा) तथा बोडीगामा (डूँगरपुर) ये दोनों गाँव तीर कमान निर्माण के लिए प्रसिद्ध हैं।

11. **राजस्थान के किस क्षेत्र में 'पंधारी मोदक' प्रसिद्ध है–**
(1) उदयपुर (2) जयपुर
(3) बीकानेर (4) कोटा (3)

12. **निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है–**
(1) थेवा कला – प्रतापगढ़
(2) मीनाकारी – जयपुर
(3) अजरक प्रिन्ट – सांगानेर
(4) टेराकोटा शिल्प – मोलेला (3)

व्याख्या– अजरख प्रिंट बाड़मेर की प्रसिद्ध है।

13. **कौनसा कूट सुमेलित नहीं है–**

(हस्तकला)	(स्थान)
(1) मामाजी के घोड़े	–बसन्तगढ़
(2) दाबू प्रिन्ट	– आकोला
(3) लाख का काम	– लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर
(4) अजरक प्रिन्ट	– बाड़मेर (1)

व्याख्या– जालौर के हरजी गाँव में मामाजी के घोड़े बनाये जाते हैं।

14. **'तुड़िया कला' किस स्थान की प्रसिद्ध है?**
(1) सांगानेर (जयपुर) (2) कैथून (कोटा)
(3) बगरू (जयपुर ग्रामीण) (4) राजाखेड़ा (धौलपुर) (4)

व्याख्या– राजाखेड़ा में नकली आभूषण बनाने की कला 'तुड़िया कला' कहलाती है।

Dhindhwal Publication

15. **नागौर का 'बू गाँव' किसलिए प्रसिद्ध है?**
(1) मिट्टी के खिलौने के लिए (2) लोहे के औजार के लिए
(3) जट-पट्टी उद्योग के लिए (4) रेशमी कंबल के लिए (1)

व्याख्या- इस गाँव का नाम 'बू नरावता' है। यहाँ मिट्टी के खिलौने, गुलदस्ते, गमले व पक्षियों की कलाकृतियों का निर्माण होता है।

16. **राजस्थान के कशीदे युक्त जूतियाँ कहाँ की प्रसिद्ध हैं?**
(1) खण्डेला व सीकर (2) भीनमाल व जालौर
(3) बोरूंदा व मंडोर (4) बाड़मेर व चौहटन (2)

व्याख्या- कशीदा युक्त जूतियों के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा **USDP** के तहत बडू गाँव (नागौर) में योजना चलाई जा रही है।

17. **बेवाण कहाँ के प्रसिद्ध है-**
(1) आकोला (2) बस्सी
(3) नाथद्वारा (4) सांगानेर (2)

18. **बिनोटा क्या है-**
(1) दूल्हा-दूल्हन के विवाह की जूतियाँ
(2) दूल्हे की तलवार
(3) लोक देवी-देवताओं को पूजने की रस्म
(4) विवाह में गाये जाने वाले गाली गीत (1)

19. **थेवा कला से तात्पर्य है-**
(1) सफेद दीवार पर गोबर से आकृतियाँ बनाना
(2) मिट्टी से लोक देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनाना
(3) काँच पर हरे रंग की मीनाकारी
(4) कागज पर देवी-देवताओं के चित्र (3)

20. **राजस्थान के कोटा और बाराँ जिले में बनाई जाने वाली 'चूंदडी' का कार्य.....प्रकार का है-**
(1) कुट्टी-मिट्टी कला (2) मिरर वर्क
(3) टाई एवं डाई (4) चट्टा-पट्टी (3)

व्याख्या- बंधेज की कला को ही 'टाई एंड डाई' कहा जाता है। यह एक प्रकार की रंगाई की तकनीक है, जिसमें धागे द्वारा बांध कर रंग को रोका जाता है। कोटा, बूंदी व बारां में बारीक बंधेज का काम होता है।

21. **'भरत', 'सूफ', 'हुरम जी', 'आरी' किससे सम्बंधित है-**
(1) हाथीदाँत की चूड़ीयाँ (2) कठपुतली कला
(3) कढ़ाई व पैचवर्क (4) मुनव्वती कला (3)

22. **प्रतापगढ़ की थेवा कला को किस वर्ष 'भौगोलिक चिन्हीकरण' जीआई टैग प्राप्त हुआ है?**
(1) 2011 (2) 2014
(3) 2008 (4) 2016 (2)

23. **पिछवाई का प्रयोग विशेष रूप से किस सम्प्रदाय के मंदिरों में होता है?**
(1) वल्लभ सम्प्रदाय (2) नाथ सम्प्रदाय
(3) गोड़ीय सम्प्रदाय (4) रसिक सम्प्रदाय (1)

24. **निम्न में से किस कलाकार का सम्बन्ध ब्ल्यू पॉटरी से नहीं है?**
(1) कृपाल सिंह शेखावत (2) नाथी बाई
(3) गोपाल सैनी (4) रामकिशोर छींपा (4)

व्याख्या- रामकिशोर छींपा बगरू प्रिंट के प्रसिद्ध कलाकार है।

25. **राजस्थान का कौनसा मंदिर 'केले के पत्तों की सांझी' के लिए प्रसिद्ध है?**
(1) रामदेव जी मंदिर (रूणेचा) (2) महावीर जी मंदिर (करौली)
(3) श्रीनाथ जी मंदिर (नाथद्वारा) (4) मेहन्दीपुर बालाजी (दौसा) (3)

26. **राजस्थान के किस क्षेत्र का 'पीला पोमचा' प्रसिद्ध है?**
(1) मेवात (2) मेवाड़
(3) मारवाड़ (4) शेखावाटी (4)

27. **बगरू प्रिन्ट के किस प्रसिद्ध कलाकार को 2009 में 'पद्मश्री' सम्मान दिया गया?**
(1) रामकिशोर छींपा (2) मो. यासीन छींपा
(3) पीरदान सिंह भाटी (4) चौथमल (1)

28. **राजस्थान में किस स्थान की 'कठपुतली कला' प्रसिद्ध है?**
(1) बीकानेर (2) जयपुर
(3) कोटा (4) चित्तौड़गढ़ (2)

व्याख्या- कठपुतली संग्रहालय बागोर हवेली (उदयपुर) में बना है। नट (भाट) जाति को कठपुतली नचाने में प्रवीण माना जाता है। कठपुतली कला को प्रसिद्धि दिलाने में 'देवीलाल सामर' का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

29. **'नांदणा' क्या है?**
(1) आदिवासियों का वस्त्र (2) लाख की चूड़ियाँ
(3) स्त्रियों की जूतियाँ (4) गोटे का प्रकार (1)

30. **आदिवासियों के वस्त्र 'नादंणा' निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?**
(1) सलूम्बर (2) शाहपुरा
(3) आकोला (चित्तौड़गढ़) (4) सोजत (पाली) (2)

Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

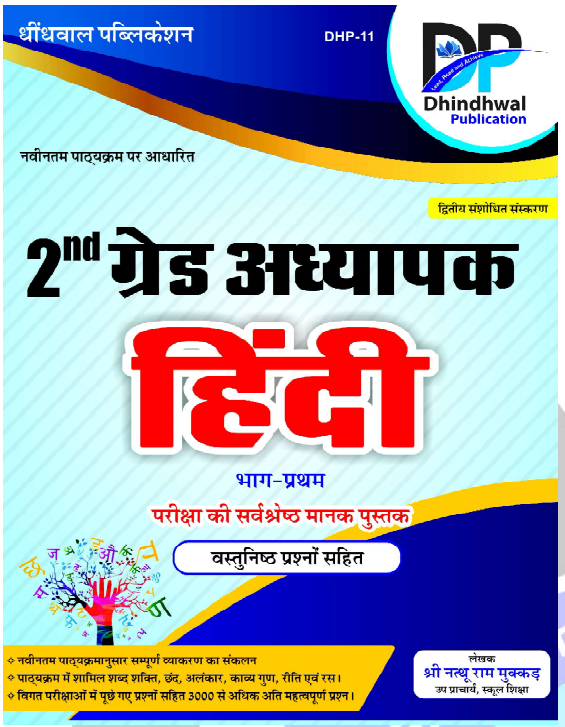

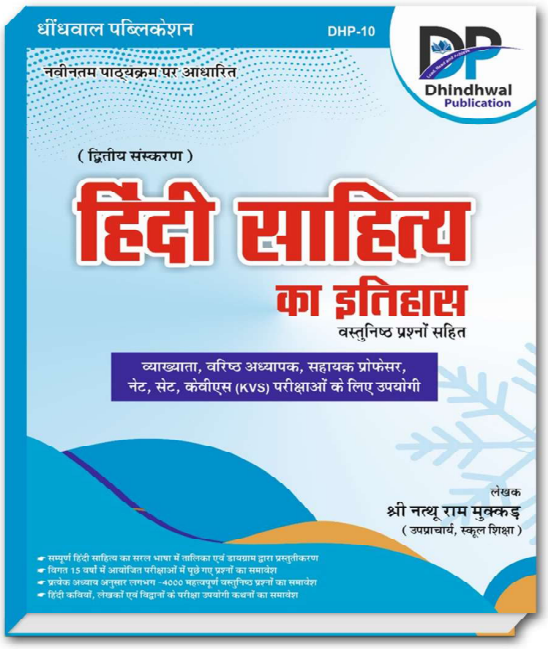

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।